न्यूज डायरी

सदाबहार दोस्त पाकिस्तान की मदद के लिए चीन ने खोला खजाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। किलर कोरोना के कहर से बेहाल पाकिस्तान की मदद के लिए अब उसका सदाबहार दोस्त चीन आगे आया है। चीन ने पाकिस्तान को कोरोना पीड़ितों के इलाज में जरूरी 2 टन चिकित्सा उपकरण भेजे हैं। इसमें एन95 मास्क, वेंटिलेटर, टेस्ट किट, मेडिकल प्रोटेक्टिव कपड़े भेजे हैं। चीन ने यह राहत सामग्री ऐसे समय पर भेजी है जब महामारी से संक्रमित लोगों की संख्या 1363 हो गई है और 11 लोग मारे गए हैं। कोरोना वायरस पीड़ितों के इलाज में पाकिस्तान की हालत खराब होती जा रही है। अस्पतालों में मास्क, स्टॉफ के लिए प्रोटेक्टिव कपड़े और पर्याप्त वेंटिलेटर नहीं हैं। इस्लामाबाद में चीनी दूतावास ने एक बयान जारी कर कहा, कम से कम 2 टन मास्क, टेस्ट किट, वेंटिलेटर, मेडिकल प्रोटेक्टिव कपड़े पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंपे गए हैं। इनकी कीमत करीब 6 करोड़ 70 लाख रुपये है। यही नहीं चीन के अलीबाबा फाउंडेशन ने हवाई रास्ते से 50 हजार कोरोना वायरस किट भेजे हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बाद अब हेल्थ मिनिस्टर भी कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के बाद अब हेल्थ मिनिस्टर मैट हैनकॉक भी कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं। उन्होंने लोगों से घर से काम करने की अपील की है और बताया है कि वह आपदा के इस वक्त में काम जारी रखेंगे। ब्रिटेन के पीएम बोरिस भी सेल्फ आइसोलेशन में हैं। इससे पहले पॉजिटिव पाए गए प्रिंस चार्ल्स स्कॉटलैंड के महल से काम कर रहे हैं। हैनकॉक ने ट्विटर पर जानकारी देते हुए कहा, श्मेडिकल सलाह के आधार पर मेरा कोरोना वायरस का टेस्ट कराया गया। मैं पॉजिटिव निकला हूं। मेरे लक्षण कम हैं और मैं घर से काम कर रहा हूं और सेल्फ आइसोलेशन में हूं। जो लोग घर से काम कर सकते हैं उन्हें करना चाहिए। ब्रिटेन में अब तक 12,000 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले 100,000 के पार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और अब ये 1,00,000 का आंकड़ा पार कर चुके हैं। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के ट्रैकर ने शुक्रवार को यह आंकड़े सामने रखे। अमेरिका में शाम छह बजे तक 1,544 मौत समेत 1,00,717 मामले दर्ज किए गए। सबसे अधिक मामले न्यूयॉर्क से सामने आ रहे हैं। अमेरिका में संक्रमण के मामलों में दूसरे नंबर के देश इटली से करीब 15,000 और चीन से 20,000 से अधिक मामले हैं। सबसे पहले इस बीमारी का पता चीन में ही चला था और वह इसका केंद्र बनकर सामने आया। अमेरिका में संक्रमित मामलों पर मृत्यु दर इटली के करीब 10.5 प्रतिशत के मुकाबले करीब 1.5 प्रतिशत है। मृत्यु दर कम हो सकती है क्योंकि पता चला है कि ज्यादातर लोग संक्रमित हैं लेकिन उनमें बीमारी से लक्षण नहीं दिखाई दिए हैं।

कोरोना वायरस महासंकट में बढ़ी मांग, दुनिया में कॉन्डम का पड़ा अकाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) क्वालालंपुर। किलर कोरोना वायरस के कहर से बचने के लिए करीब 3 अरब लोग लॉकडाउन में जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं। महासंकट की इस घड़ी में विश्वभर में कॉन्डम की मांग काफी बढ़ गई है लेकिन वैश्विक बाजारों से यह गायब है। इस बीच दुनिया के सबसे बड़े कॉन्डम निर्माता ने कहा है कि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लॉकडाउन घोषित किया गया जिससे उसका उत्पादन ठप हो गया है। दुनिया में हरेक पांचवां कॉन्डम मलेशिया की कंपनी कारेक्स बीएचडी बनाती है। कारेक्स ने पिछले 10 दिन से मलेशिया में स्थित अपनी तीन फैक्ट्रियों से एक भी कॉन्डम नहीं बनाया है। डेलीमेल की खबर के मुताबिक मलेशिया सरकार ने लॉकडाउन की वजह से इन फैक्ट्रियों को बंद करने का आदेश दिया है। इससे वैश्विक बाजारों से 10 करोड़ कॉन्डम कम हो गए हैं।

दुनिया के लिए उम्मीद की किरण बना इटली का वो कस्बा

महासंकट

कोरोना के कहर से यहां पर 9,134 मारे गए हैं, 86,498 संक्रमित हैं

दुनियाभर के सैलानियों की पसंद रहे इटली में अब मातम छाया हुआ है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रोम। कोरोना वायरस की मार से इटली की कमर टूट गई है। दुनियाभर के सैलानियों की पसंद रहे इटली में अब मातम छाया हुआ है। कोरोना के कहर से अब तक यहां पर 9,134 मारे गए हैं और 86,498 लोग इस महामारी से संक्रमित हैं। इस महासंकट के बीच इटली का ही एक कस्ब्बा दुनिया को उम्मीद की किरण दिखा रहा है। इस कस्बे का नाम है वो। वो इटली के बाहरी इलाके वेनेतो रीजन में आता है। इसकी आबादी करीब 3 हजार है और यह वेनिस से 70 किलोमीटर दूर है। 21 फरवरी को उस समय यह शहर दुनियाभर में सुर्खियों में आ गया जब यहां पर एक व्यक्ति की कोरोना वायरस की चपेट में आने से मौत हो गई। इटली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जैसे ही इसे एक क्लस्टर इंफेक्शन बताया। वो शहर ने 23 फरवरी को खुद को क्वारंटाइन कर लिया।

इसके ठीक बाद लोहे की चादर से एक दीवार बनाई गई। किसी को भी इस दीवार से बाहर जाने या आने की अनुमति नहीं दी गई। केवल मेडिसिन और दवाओं को ही वो में जाने की अनुमति दी गई। वो में रहने वाले और स्थानीय पार्षद अलेस्सियो टूरेट्टा ने ईयू ऑब्जर्वर से बातचीत में कहा कि हमारी मुख्य रणनीति यह थी कि इस आपात स्वास्थ्य स्थिति में लोगों को क्वारंटाइन करना और ज्यादा से ज्यादा टेस्ट करना।

दक्षिण कोरिया की रणनीति ने दिलाई सफलता: यह वही मॉडल था जिसे दक्षिण कोरिया में सफलतापूर्वक अपनाया गया था। वो कस्ब्बे की 97 प्रतिशत जनता की जांच की गई। ऐसा इटली में कही नहीं हुआ था। उन्होंने एक दिन में 800 नमूनों की जांच की। 29 फरवरी को सामूहिक जांच के बाद 3 प्रतिशत लोग कोरोना पॉटिटिव निकले। इन सभी को घर में ही आवश्यक रूप से कैद कर दिया गया। इसके अलावा जो लोग गंभीर रूप से बीमार थे, उन्हें तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया।

जो लोग घर में कैद थे, उन्हें दिन में कई बार फोन किया गया ताकि वे कैद से भागे नहीं। उनकी स्थिति की लगातार जांच की गई और बुखार की जांच हुई। टेस्ट्ट के परिणाम आने के बाद सभी लोगों को घर में ही रहने को बोला गया। उन्हें बहुत कम बाहर जाने दिया गया। यह रणनीति काम कर गई। 6 और 8 मार्च को जब फिर जांच हुई तो केवल 1 प्रतिशत लोगों को ही कोरोना पॉजिटिव पाया गया।

23 मार्च को बीमारी का प्रसार यहां पर रुक गया। अब यहां पर कोई संक्रमण नहीं है।

इटली में कोरोना वायरस से जंग लड़ रहे 51 डॉक्टरों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रोम। कोरोना वायरस महामारी का गढ़ बन चुके इटली में 51 डॉक्ट्टरों की इस किलर वायरस की चपेट में आने से मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि ये सभी डॉक्टर कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का इलाज कर रहे थे और इसी दौरान संक्रमित हो गए।

इस बीच इटली में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 9,134 पहुंच गई है जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। सीएनएन की रिपोर्ट मुताबिक ये सभी 51 डॉक्टर कोरोना वायरस पॉघजिटिव पाए गए थे और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इटली के डॉक्टर के संघ के अध्यक्ष फिलिपो अनेल्ली ने हाल ही में इसी खतरे को देखते हुए डॉक्ट्टरों के लिए और ज्यादा सुरक्षा उपकरण मांगे थे। अनेल्ली ने कहा, श्सबसे पहला काम डॉक्टरों और हेल्थ केयर वर्कर की सुरक्षा करना है ताकि वे कोरोना की चपेट में न आएं। इस बीच इटली को कोरोना वायरस की त्रासदी से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। पिछले हफ्ते एक–दो दिन मरने वालों की संख्या में कमी आने से माना जा रहा था कि शायद जल्द ही यह देश इस महामारी से उबर जाएगा। हालांकि, शुक्रवार को एक बार फिर भयानक रेकॉर्ड दर्ज करते हुए कोरोना ने इटली में 970 से ज्यादा लोगों की जान ले ली।

भीड़ में नमाज अदा करने से बाज नहीं आ रहे पाकिस्तानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कोरोना महासंकट से जूझ रहे पाकिस्तान में इस महामारी से संक्रमित लोगों की संख्ध्या 1300 के आंकड़े को पार कर गई है। संकट की इस घड़ी में जहां पूरी दुनिया में सोशल डिस्ध्टेसिंग पर जोर दिया जा रहा है, वहीं पाकिस्तानी इसे मानने को तैयार नहीं हैं। कोरोना के संक्रमण के खतरे को देखते हुए भारत में जुमे की नमाज लोग घरों में अदा कर रहे हैं लेकिन पाकिस्तानी अभी भी मस्जिदों में जा रहे हैं। आलम यह है कि पाकिस्तानी प्रशासन को अब जुमे की नमाज में भीड़ कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

कोरोना वायरस से दुनिया में आखिर कितनी मौतें?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेरिस। यूरोप और अमेरिका समेत पूरी दुनिया के देश कोरोना वायरस की महामारी पर लगाम लगाने के लिए जूझ रहे हैं। इस बीच सहायता समूहों ने आगाह किया है कि उचित कदम न उठाने पर कम आय वाले देशों, सीरिया और यमन जैसे युद्धग्रस्त देशों में लाखों लोग जान गंवा सकते हैं। इन देशों में साफ–सफाई की स्थिति पहले से ही बदतर है।

चीन में पिछले साल दिसंबर में सामने आए कोविड–19 के मामलों से दुनियाभर में करीब 580,0000 लोग संक्रमित हैं तथा 26,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अफ्रीकी संघ के अनुसार, अफ्रीका में आधिकारिक संख्या अब भी कम है। वहां शुक्रवार तक 83 लोगों की मौत हुई और 3200 से अधिक लोग संक्रमित पाए गए। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमिटी ने एक बयान में कहा, 'शरणार्थी, अपने घरों से विस्थापित हुए परिवार और संकटग्रस्त इलाकों में रह रहे लोग इस बीमारी से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।'

अमीर हो या गरीब मुल्क...सबकी बढ़ी टेंशन

कोरोना से इदलिब प्रांत जैसे इलाके खतरे में: आईआरसी की मिस्टी बुसवेल ने कहा कि युद्धग्रस्त सीरिया में विद्रोहियों के अंतिम गढ़ इदलिब प्रांत जैसे इलाके खतरे में हैं जहां इस महामारी के फैलने से पहले ही मानवीय संकट है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने आगाह किया कि दुनियाभर में तीन अरब लोगों की पानी और साबुन तक पहुंच नहीं है जो इस संक्रामक रोग के खिलाफ रक्षा के मूल हथियार हैं। यमन में इंटरनेशनल कमिटी ऑफ द रेड क्रॉस ने रविवार को ट्वीट किया, 'कोरोना वायरस के खिलाफ बचाव का सबसे प्रभावी तरीका बार–बार हाथ धोना है लेकिन यमन की आधी से अधिक आबादी का क्या जिनके पास स्वच्छ पानी तक नहीं है?' इस बीच, दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 146 नए मामले सामने आए तथा 5 और लोगों की मौत हो गई।

चीन में हिंसा की खबर, हुबेई से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे लोग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन से हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि हुबेई से लोग बाहर जाना चाह रहे हैं। लोग भारी संख्या में हुबेई से बाहर जाने की कोशिश कर रहे हैं,जिससे भीड़ और जाम की स्थिति पैदा हो गई। बता दें कि इस दौरान चीन ने लॉकडाउन में ढील दी हुई है। कनाडा की मीडिया द ग्लोब एंड मेल ने चीनी सोशल मीडिया वेबसाइट्स पर डाली गई कुछ वीडियोज का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा था कि हुबेई को पड़ोसी प्रांत जियांगशी से जोड़ने वाले पुल पर भी हिंसा हुई थी।

ऑनलाइन वीडियोज में ये भी दिख रहा है कि भारी भीड़ लॉकगेट को खोलने के लिए चिल्ला रही है। पुलिस की कुछ गाड़ियों को भी पलट दिया गया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार ये हिंसा तब फैली, जब अधिकारियों ने पुलिस को ब्रिज पर तैनात कर दिया और लोगों की हुबेई से जियागशी प्रांत में एंट्री बंद कर दी। टोल बूथ पर मौजूद एक काम करने वाले हुआंग ने द ग्लोब एंड मेल को शुक्रवार को दिए इंटरव्यू में बताया कि ये झड़प शाम तीन बजे से 6 बजे के बीच हुई।